Bihar Board Class 8 Hindi Notes Chapter 16 खेमा

खेमा

संक्षेप खेमा मात्र आठ-नौ वर्ष का बाल-श्रमिक है। गेहूँआ रंग, साढ़े तीन फीट की लम्बाई, खाकी निकर और पैबन्द लगी कमीज, तुतली बोली वाला वह बच्चा कसारा के चाय दुकान में काम करता है।

मालिक कसारा चाय बनाता है और खेमा ग्राहकों को चाय पहुँचाता है फिर गलास को धोकर टेबुल पर रखता था । खेमा दुकान खुलने से लेकर दुकान बंद होने तक कसारा के हरेक आज्ञा का पालन करता है। अगर कंसारा डाँटता या गाली भी देता तो खेमा चुपचाप अपने काम में लगा रहता था। एक दिन खेमा ने कसारा से कहा 'काका पैर जलता है चप्पल ला दो।"

खेमा की बात सुनकर कसारा बौखलाया और कहा-"अभी रख दूँगा
-चप्पल सिर पर, चल अपना काम कर, बड़ा आया चप्पलें पहनने
वाला।"

गर्मी का समय था, नंगा पैर जब जलने लगता तो पैर पर पानी डालकर वह पैर के जलन को दूर करता था। खेमा ग्राहकों की भी भद्दी-भद्दी गालियाँ सुनकर चुपचाप अपना काम करता रहता था। अगर कसारा खाते-खाते उठ जाता तो खेमा उस जुठे खाना खाकर अपनी भूख मिटा लिया करता था।

प्रायः दोपहर में जब ग्राहकों का आना बंद हो जाता था तब कसारा सो जाता । कसारा के सो जाने पर भी खेमा नहीं सोता बल्कि बैठकर कभी-कभी झपकी ही मार लेता । रात्रिकालीन भोजन कर खेमा अपने मालिक कसारा का पैर दबाता फिर दोनों सो जाते । दूसरे दिन फिर वही बात। ..

दो मास पूर्व कसारा ने उस बालक को खरीदकर लाया था । कसारा उसे पीटता भी था। खेमा सब कुछ सह लेता था। एक रोज जब कसारा दुकान में नहीं था लेखक ने खेमा से पूछा तुम्हारा सेठ तुमको कितना पैसा देता है। खेमा ने कहा मैं नहीं जानता हूँ। लेखक ने फिर पूछा, क्या स्कूल नहीं जाते ?

खेमा ने उत्तर दिया-पढ़ाई का मन तो करता है, लेकिन बापू स्कूल नहीं भेजते । लेखक ने पुनः पूछा-क्या तुम अपने मालिक से खुश हो? उत्तर में खेमा कुछ जवाब नहीं देता है। लेखक खेमा के घर जाकर उसके पिता से. खेमा को पढ़ाई-लिखाई करवाने के लिए माँगा।

खेमा का बाप रोते हुए कहा-"ठीक है पर कसारा का रुपया लौटाना होगा । लेखक रुपया देने की बात कहता है । खेमा का पिता कसारा के पास रुपया वापस किया तब खेमा को कसारा से छुटकारा मिला।

खेमा लेखक के शरण में आ जाता है । वह लेखक की सेवा तथा सब काम करना चाहता है लेकिन लेखक उसे केवल पढ़ाई पर जोड़ देने की बात कहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/